पाठ 9. डटे रहो

इस कविता में बच्चों को अच्छी आदतें सिखाई गई हैं। इससे वे स्वावलंबी बनना सीखेंगे तथा उनकी स्मरणशक्ति का विकास होगा।

पाठ की भूमिका

बच्चों को बचपन में जैसी आदतें डाली जाएँ वही उनके जीवनभर काम आती हैं। इसलिए बच्चों को बचपन में ही अच्छी आदतें डालनी चाहिए, जिससे वे बड़े होकर अपने घर-परिवार तथा देश का नाम रोशन करें।

पाठ का परिचय

कवि कहते हैं–बच्चो, सुबह जल्दी उठने और अपने काम में जुट जाने की आदत डालनी चाहिए। हमेशा अच्छे काम करने चाहिए। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए तथा खूब परिश्रम से पढ़ाई करनी चाहिए। पढ़-लिखकर विद्‌वान बनकर अपने देश का मान-सम्मान बढ़ाना चाहिए। कभी झूठी शान नहीं दिखानी चाहिए तथा घमंड नहीं करना चाहिए। झूठी शान और घमंड इनसान को बदनाम कर सकते हैं, इसलिए बच्चों को इनसे बचते हुए अपने काम में जुटे रहना चाहिए।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

हम सभी को अपने जीवन में सदैव बुरी आदतें छोड़ने तथा अच्छी आदतें अपनाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

पाठ का वाचन

कविता को लय के साथ कक्षा में पढ़ें। साथ-साथ बच्चे भी एक-एक पंक्ति का सस्वर पठन करें। इसके बाद सभी बच्चे पुस्तक खोलकर एक साथ कविता पाठ करें। कविता पाठ करते समय नए शब्दों या जिन शब्दों को आप उच्चारण या अर्थ की दृष्टि से कठिन समझें–उन्हें श्यामपट्‌ट पर लिखें–उन शब्दों का शुद्‌ध उच्चारण बच्चों से बार-बार करवाएँ।

महत्वपूर्ण चर्चा

बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछते हुए चर्चा करें। तुम्हें अपनी कौन-कौन-सी आदतें अच्छी लगती हैं और तुम्हारी ऐसी कौन-सी आदतें हैं, जिन्हें तुम छोड़ना चाहते हो।